RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : गुरुवार, 08 दिसंबर 2022 वर्ष 04 अंक 200 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

'खुले मैनहोल से हादसा हुआ तो BMC को ठहराएंगे जिम्मेदार'

बॉम्बे हाईकोर्ट का सख्त रुख

मुंबई : बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई में खुले मैनहोल्स और उनके कारण होने वाले हादसों को लेकर कड़ा रुख अपनाया। हाईकोर्ट ने बृहन्मुंबई नगर पालिका द्वारा इन ड्रेनेज चेंबरों को ढंकने के लिए किए जा रहे इंतजामों की तारीफ भी की। इसके साथ ही चेताया कि यदि इनकी वजह से कोई हादसा हुआ तो उसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश दीपंकर दत्ता व जस्टिस अभय आहूजा की पीठ ने कहा कि वह पूरी मुंबई में खुले ड्रेनेज मैनहोल्स की समस्या से चिंतित है। हाईकोर्ट ने बीएमसी से कहा कि वह इस समस्या का स्थाई समाधान निकाले। हाईकोर्ट ने पूरे महाराष्ट्र में गड्ढों की बढ़ती संख्या और खुले मैनहोल पर चिंता जताने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह बात कही।

बीएमसी के वकील अनिल सखारे ने बुधवार को हाईकोर्ट को

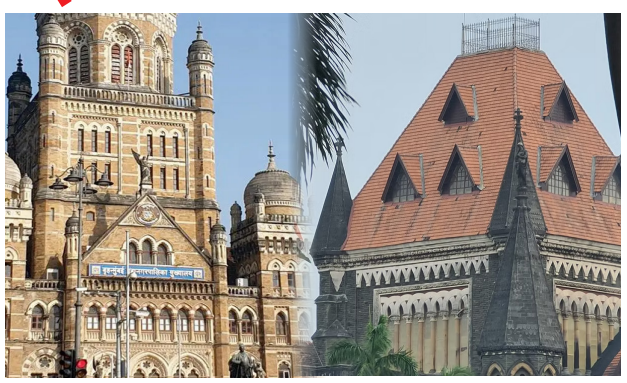

बताया कि नगर निगम खुले मैनहोल की समस्या से युद्ध स्तर पर निपट रहा है। सभी खुले मैनहोल को बंद करने का काम चल रहा है। इस पर पीठ ने कहा कि बीएमसी के प्रयासों की सराहना की जाती है, लेकिन अगर तब तक कोई अप्रिय घटना होती है तो इसके लिए उसे जिम्मेदार माना जाएगा।

बीएमसी के अधिकारियों को मानेंगे जिम्मेदार

सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश दत्ता ने बीएमसी के वकील से कहा, 'आप अच्छा काम कर रहे हैं, लेकिन तब तक अगर किसी को नुकसान होता है, तो हम आपको जिम्मेदार ठहराएंगे। हम बीएमसी की सराहना कर रहे हैं, लेकिन अगर मैनहोल खुला हो और कोई नीचे गिर जाए तो क्या होगा? ऐसी स्थिति में हम पीड़ित को मुआवजे के लिए दीवानी मुकदमा दायर करने को नहीं कहेंगे... हम कहेंगे कि आपके अधिकारी जिम्मेदार हैं।'

इसके साथ ही हाईकोर्ट ने सुझाव दिया कि बीएमसी को आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी की मदद से कुछ ऐसा तंत्र तैयार करना चाहिए, जिससे मैनहोल का ढक्कन हटते ही संबंधित अधिकारी अलर्ट हो जाएं। पीठ ने बीएमसी से कहा कि उसे कुछ प्रगतिशील तरीके से सोचना चाहिए। यह आपका काम है। हम हमेशा यह नहीं कह सकते कि क्या किया जाना चाहिए। खुले मैनहोल्स की समस्या से निपटने का कोई मानक तरीका खोजा जाना चाहिए। बीएमसी बताए क्या तरीका हो सकता है? हम इसका स्थाई हल चाहते हैं।

मुंबई में हड़कंप!

शख्स ने पुलिस को फोन कर कहा- 3 बड़े स्टेशनों पर होंगे बम धमाके, फिर ...

मुंबई : दिल्ली एमसीडी चुनावों के परिणामों के बीच महाराष्ट्र से एक बड़ी खबर सामने आई है। इस खबर ने मुंबई पुलिस प्रशासन में हड़कंप मचा दिया है। जानकारी के अनुसार, नवी मुम्बई पुलिस कंट्रोल रूम में बुधवार को अनजान शख्स का फोन आया है कि, दादर, कुर्ला और सीएसएमटी स्टेशनों को बम धमाकों से दहलाया जाएगा। इस धमकी भरे फोन के बाद पुलिस में हड़कंप मच गया है।

पोरबंदर से आए लोग धहलाएंगे स्टेशनों को

इस धमकी भरे फोन करने वाले शख्स ने कहा कि पोरबंदर से कुछ लोग मुंबई आए हैं जो स्टेशनों पर हमला करने वाले हैं। इस धमकी भरे कॉल के संबंध में जानकारी देते हुए जीआरपी कमिश्नर ने बताया कि, नवी मुम्बई के कंट्रोल रूम में कल फोन आया था, जिसमें कॉल करने वाले ने 3 स्टेशनों को उड़ाने की धमकी दी थी। इसके बाद पुलिस एक्शन में आई और तुरंत तीनों स्टेशनों पर तलाशी अभियान चलाया।

फोन करने वाला गिरफ्तार...

इस अजनबी के कॉल आते ही मुंबई पुलिस हरकत में आई और कॉल ट्रेस करने के बाद पुलिस बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए फोन करने वाले शख्स को औरंगाबाद जिले से गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में पुलिस ने जानकारी देते हुए कहा कि आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया जा रहा है। 4, 5 और 6 दिसंबर को मुंबई में जबरदस्त भीड़ थी। ऐसे में शख्स ने नशे की हालत में धमकी भरा फोन किया था।

MCD में भी चली 'झाड़ू'...!

15 साल की BJP की सत्ता छीनकर AAP ने पाया बहुमत

नई दिल्ली: दिल्ली नगर निगम चुनाव में आम आदमी पार्टी को बहुमत मिला है. पिछले 15 साल से दिल्ली नगर निगम पर भाजपा का शासन था, जिसे आम आदमी पार्टी ने छीन लिया है. आम आदमी पार्टी ने 134 सीटों पर जीत हासिल की है. दूसरे नंबर पर भाजपा है, जिसने 104 सीटें जीती हैं. कांग्रेस की बात करें तो वह केवल 9 ही सीटें जीत पाई है. तीन सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है. मुस्लिम बहुल इलाकों में कांग्रेस ने अच्छा प्रदर्शन किया है. अबुल फजल से कांग्रेस उम्मीदवार अरिबा खान ने जीत हासिल की है. उनके पिता आसिफ खान चुनाव के दौरान पुलिसकर्मियों से बदसलूकी के आरोप में जेल में बंद हैं. कांग्रेस ने जाकिर नगर सीट भी अपने कब्जे में कर ली है. सुल्तानपुरी ए वार्ड से आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार बॉबी किन्नर चुनाव जीत गई हैं. बॉबी इन चुनाव में बहुत चर्चा में रहीं. आम आदमी पार्टी के लिहाज से बात करें तो दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन के विधानसभा क्षेत्र शकूरबस्ती में भाजपा ने तीनों सीटें सरस्वती विहार, पश्चिम विहार और रानी बाग जीत ली हैं. एमसीडी नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली के उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने ट्वीट किया, ''दिल्ली MCD में आम आदमी पार्टी पर भरोसा करने के लिए दिल्ली की जनता का दिल से आभार...

मुंबई में खिलौने वाली बंदूक दिखाकर लूटे 10 लाख के गहने, ऐसे दिया घटना को अंजाम...

मुंबई : देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में लूटपाट का एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। मुंबई में एक कैब ड्राइवर खिलौने वाली बंदूक से डराकर लोगों से लूटपाट की घटना को अंजाम दे रहा था। पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। रविवार को नालासोपारा पुलिस ने 25 साल के एक शख्स को खिलौने की बंदूक का उपयोग कर एक सोने की दुकान लूटने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कमलेश रामानंद गुप्ता के रूप में हुई है, जो ठाणे जिले के दिवा में रहने वाला है।

इस मामले को लेकर पुलिस ने बताया कि आरोपी एक कैब ड्राइवर है, उसने कथित तौर पर 26 नवंबर

को नालासोपारा में नेकलेस ज्वेलरी शॉप से खिलौने की बंदूक दिखाकर 10 लाख रुपए के गहनों की लूट की है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने लूट की घटना को अंजाम देने के लिए 24 नवंबर को जौहरी की दुकान के आसपास का अच्छे से अध्ययन किया था।

बता दें कि पुलिस ने आगे बताया कि आरोपी के खिलाफ पहले से ही डकैती के कुछ मामले दर्ज हैं। आरोपी ने 24 नवंबर को नालासोपारा में एक पैसेंजर को छोड़ा था। इस दौरान उसने इलाके का अच्छे से अध्ययन किया था और नेकलेस ज्वेलरी शॉप को अपना टारगेट बनाया था। पुलिस ने बताया कि आरोपी पर लाखों रुपये का कर्ज है। इसलिए उसने छोटी या फिर बिना किसी निगरानी वाली गहने की दुकान को लूटने का मन बनाया। नालासोपारा पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि एक दुकान से खिलौने वाली बंदूक खरीदने के बाद, वह गहने की शॉप में गया और खुद को एक कस्टमर बताया। फिर उसने दुकान के मालिक सुरेश कुमार धाकड़ से चांदी के कुछ गहने दिखाने की अपील की।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : गुरुवार, 08 दिसंबर 2022

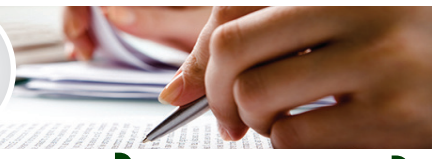

संपादकीय / लेख

नशे का नश्तर...!

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

यह पंजाब के नीति-नियंताओं के लिए शर्मसार करने वाली स्थिति है कि प्रदेश को झुलसाने वाली नशे की महामारी को लेकर हीलाहवाली पर सुप्रीम कोर्ट को फटकार लगानी पड़ी है। शीर्ष अदालत ने यहां तक कह दिया कि यदि पंजाब में अवैध शराब-ड्रग्स के धंधे पर रोक न लगाई गई तो युवा खत्म हो जाएंगे। कोर्ट की ऐसी सख्त टिप्पणी समस्या की भयावहता को दशार्ती है। शीर्ष अदालत ने यहां तक कह दिया कि पंजाब में हर गली में अवैध शराब की भट्ठी खुली है। जस्टिस एम.आर. शाह और जस्टिस सी.टी. रविकुमार की पीठ ने इस बात को चिंताजनक बताया कि पिछले दो वर्षों में अवैध शराब को लेकर राज्य में 36000 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। पीठ ने पूछा कि अब तक सरकार ने पुलिस को जवाबदेह बनाने के लिये क्या किया। साथ ही सरकार की ओर से इस दिशा में की जा रही कार्रवाई का विवरण भी मांगा है। कोर्ट ने दु:ख जताया कि नशे के जरिये युवा पीढ़ी को बर्बाद किया जा रहा है। निस्संदेह, सीमावर्ती राज्य होने के कारण यह स्थिति चिंताजनक है। कोर्ट की इस बात से सहमत हुआ जा सकता है कि प्राथमिकी दर्ज करने और अवैध शराब की भट्ठियां ध्वस्त किये जाने से समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसके लिये पुलिस को भी जवाबदेह बनाने की जरूरत है। कोर्ट ने साथ ही पंजाब सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता के जरिये राज्य सरकार को नसीहत दी कि अवैध शराब निमार्ताओं से जो करोड़ों रुपये का जुमार्ना वसूला गया है, उसे सरकारी कोष में जमा कराने के बजाय नशीले पदार्थों के खिलाफ लोगों में जागरूकता लाने तथा इस काम में लगे कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने में खर्च करे ताकि नशे के कारोबार पर अंकुश लगाया जा सके। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों नकली शराब पीने से चार लोगों की मौत हुई थी। मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने के लिये ही कोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी।

शीर्ष अदालत ने पंजाब सरकार को राज्य में बढ़ते नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिये तत्काल प्रभाव से सख्त कदम उठाने को कहा है। साथ ही राज्य सरकार से इस बाबत विस्तार से जवाब देने के लिये कहा है। राज्य सरकार ने इस रिपोर्ट को तैयार करने के लिये दो सप्ताह का समय मांगा था। लेकिन कोर्ट ने इस सुनवाई के लिये बारह दिसंबर की तारीख तय कर दी है। अदालत का कहना था कि यह एक गंभीर चुनौती है। नशे की दलदल में युवाओं को धकेल कर देश को बर्बाद नहीं होने दिया जा सकता। कोर्ट ने इस बात पर दुख जताया कि नकली शराब से गरीब लोग मर रहे हैं। जो सस्ती के चक्कर में जहरीली शराब के शिकार हो जाते हैं। ऐसे में अवैध शराब का निर्माण व बिक्री रोकने के लिये प्रशासन व पुलिस की जिम्मेदारी तय करनी जरूरी है। निस्संदेह, नशा पंजाब के लिये गंभीर मुद्दा है, जिसे सिर्फ प्राथमिकी दर्ज करके ही नहीं सुलझाया जा सकता। कोर्ट ने इस बात पर भी नाराजगी जाहिर की कि मामलों में नामजद अभियुक्तों की गिरफ्तारी में लेट-लतीफी की जाती है। बहरहाल, इस गंभीर मुद्दे पर जहां राज्य सरकार को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए, वहीं केंद्र सरकार की ओर से भी इस सीमावर्ती संवेदनशील राज्य को लेकर व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। पिछले कुछ समय से पाकिस्तान से ड्रोन के जरिये पंजाब में नशीले पदार्थ भेजने के दर्जनों मामले प्रकाश में आए हैं और करोड़ों रुपये की हेरोइन बरामद भी हुई है। इस अंतर्राष्ट्रीय साजिश का मुकाबला केंद्रीय एजेंसियों की भागीदारी से किया जा सकता है। जिसमें राज्य सरकार का सक्रिय सहयोग अपेक्षित है। इस समस्या की चुनौती को महसूस करते हुए ही केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने डीआरआई के अधिकारियों से कहा है कि नशे के कारोबार से जुड़ी बड़ी मछलियों पर शिकंजा कसा जाए ताकि पता चल सके कि अवैध ड्रग्स के पहाड़ देश में कौन भेज रहा है। दरअसल, वर्ष 2021-22 में नशीले पदार्थों की जब्ती में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

एटीएम मशीन में एटीएम काड को अटकाने का काम कर रहा था एक गिरोह...

काशीमीरा : अगर भविष्य में पैसे ट्रांजेक्शन के दौरान एटीएम मशीन में कभी भी आपका कार्ड अटक जाए, तो अगर संभव हो तो कार्ड को बिना वापस लिए एटीएम सेंटर से बाहर ना जाएं। दरअसल, एटीएम फ्रॉड करने वाले गिरोह ने एटीएम कार्ड क्लोनिंग कर लोगों को ठगने के लिए एक नया तरीका अपनाना है। मुंबई के काशीमीरा पुलिस ने शनिवार को काशीमीरा पुलिस थाना क्षेत्र के एसबीआई की एटीएम मशीन में डाली गई कार्ड के अंदर एटीएम के आकार की बहुत पतली प्लेट लगाने का प्रयास कर रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। काशीमीरा पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि कस्तूरबा मार्ग पर पुलिस सब-इंस्पेक्टर, शेल्के को एटीएम सेंटर के सामने खड़ा किया गया। एटीएम के पास मौजूद तीन लोगों की गतिविधि को देखकर सब-इंस्पेक्टर को शक हुआ, इस दौरान वे भागने लगे, शेल्के ने कुछ अन्य लोगों का पीछा किया और उनमें से एक को पकड़ लिया, जबकि उसके दो अन्य साथी भागने में सफल रहे।

गुजरात का रहने वाला है आरोपी

पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपराध कबूल कर लिया और अपने

दो साथियों की पहचान भी बताई, उसे आईपीसी की धारा 379 और 511 के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नरेश पुरुषोत्तम परमार (21) के रूप में हुई है, जो गुजरात के गिर सोमनाथ जिले का रहने वाला है। परमार से पूछताछ में खुलासा हुआ है कि उसके गिरोह के सदस्य एटीएम मशीन में डेबिट कार्ड डालकर लोगों को ठग रहे थे, अब तक बोरीवली, भायंदर पूर्व (नवघर) और मीरा रोड समेत तीन जगहों पर तीन अपराध कर चुके हैं। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि एक माइक्रो कैमरा और परमार से धातुओं से बनी तीन बहुत पतली प्लेटें भी जब्त की है।

पूछताछ के दौरान यह खुलासा हुआ है कि गिरोह का सदस्य पहले एटीएम मशीन के कार्ड स्लॉट में धातु की एक पतली प्लेट लगा देता था, जहां एटीएम मशीन में कैश निकालने के लिए डेबिट कार्ड डाला जाता है। लेन-देन के बाद जब कोई ग्राहक अपना कार्ड वापस लेने की कोशिश करता है, तो कार्ड मशीन में लगी प्लेट में फंस जाती। आरोपी भी मशीन के आस-पास मौजूद मौजूद रहते हैं और बड़ी चतुराई से पिन नंबर देख लेते। बिना कार्ड लिए जब ग्राहक एटीएम से बाहर चले जाते तो यह लोग उस कार्ड के जरिए दूसरे एटीएम मशीन से पैसे निकाल लेते थे। और बाद में दूसरे एटीएम से कैश निकालते थे और उन कार्ड से शॉपिंग करते थे।

कई लोगों को बनाया गया निशाना

आरोपी ने इसी तरीके का इस्तेमाल करते हुए बोरीवली में एक पीड़ित के अटके हुए कार्ड से 1 लाख रुपये पैसे निकालकर दुकान से गहने खरीदे। 3 दिसंबर को तीनों ने ओसवाल क्षेत्र

मदद के बहाने लोगों को लूटे पैसे

नवघाव के पास स्थित एसबीआई एटीएम से एक 52 वर्षीय रेलवे कर्मचारी का डेबिट कार्ड चुरा लिया और लगभग 28,500 रुपये निकाल लिए। पुलिस को दिए बयान के अनुसार एक पीड़ित पैसे निकालने के लिए आए थे और उस दौरान एटीएम मशीन के आस-पास दो से तीन लोग मौजूद थे, वह स्लॉट में अपना एटीएम कार्ड डालने की कोशिश कर रहा था, लेकिन कार्ड मशीन के स्लॉट में इंसर्ट नहीं हो रहा था। आरोपियों ने मदद के बहाने पीड़ित का कार्ड जबरदस्ती मशीन के अंदर इन्सर्ट कर दिया। हांलांकि, कार्ड इंसर्ट होने की वजह से पीड़ित ने पैसे निकाल लिए, लेकिन उसका कार्ड मशीन के अंदर अटक गया। इसके बाद पीड़िक ने फोन कर पत्नी के साथ-साथ कस्टमर केयर को भी जानकारी दी और चला गया। अधिकारी ने बताया कि जब वह घर पहुंचा तो उसे नकदी निकालने के संबंध में फोन पर संदेश मिलने लगे तो वह एटीएम मशीन की ओर दौड़ा, जहां, उसकी कार्ड अटक गई थी।

मुंबई नगर निगम में 10 हजार पदों पर भर्ती का रास्ता खुला है

मुंबई : मुंबई नगर निगम की 2017 से रुकी हुई भर्ती प्रक्रिया को हरी झंडी मिल जाएगी। लिहाजा अब नगर पालिका में विभिन्न पदों पर 10 हजार से अधिक पदों पर भर्ती का मार्ग प्रशस्त होगा। राज्य सरकार के सरकारी आदेश के बाद मुंबई नगर निगम भी भर्ती को लेकर एक सर्कुलर जारी करने जा रहा है। इसलिए नगर पालिका में विभिन्न विभागों के अनुसार भर्ती प्रक्रिया का मार्ग प्रशस्त होगा। यह सर्कुलर तीसरे पक्ष के संगठनों के माध्यम से भर्ती प्रक्रिया के बारे में स्पष्टता लाएगा। इसलिए हर विभाग भर्ती प्रक्रिया शुरू कर सकता है। कोरोना के चलते पिछले कुछ सालों में यह भर्ती प्रक्रिया बंद कर दी गई थी।

मुंबई नगर निगम के 10,000 कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया पिछले कुछ वर्षों से धीमी थी, लेकिन सरकार के अध्यादेश से अब नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है। फिलहाल नगर पालिका से सर्कुलर जारी करने की प्रक्रिया भी चल रही है। जिससे नगर पालिका के विभिन्न विभागों में जनशक्ति की भर्ती की प्रक्रिया शुरू हो सकेगी। नगर पालिका की ओर से अगले एक सप्ताह में यह सर्कुलर जारी होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री योगी से मिलीं मेलिंडा गेट्स...

बोलीं- यूपी का कोविड प्रबंधन मॉडल दुनिया के लिए अनुकरणीय

लखनऊ : बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन की सह-संस्थापक मिलिंडा गेट्स ने बुधवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पर सीएम योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। उत्तर प्रदेश आगमन पर मुख्यमंत्री योगी ने मिलिंडा गेट्स व उनके सहयोगियों का अभिनन्दन किया। विशेष मुलाकात में मिलिंडा गेट्स ने उत्तर प्रदेश सरकार के साथ स्वास्थ्य, पोषण और कृषि के क्षेत्र में तकनीकी सहयोग को और बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया।

मिलिंडा गेट्स ने कहा कि हाल के वर्षों में कोविड प्रबंधन और इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारी पर नियंत्रण के लिए उत्तर प्रदेश ने जैसा काम किया है, वह एक अनुकरणीय मॉडल है। कोविड की चुनौतियों के बीच यूपी के सघन जनसंख्या घनत्व और विविध सामाजिक चुनौतियों का सामना यहां के नेतृत्व ने जिस प्रकार किया वह अत्यन्त सराहनीय है। इतनी बड़ी और सघन आबादी के बीच वैक्सीनेशन का जैसा काम हुआ, उससे दुनिया को सीखना चाहिए। उन्होंने कहा कि अंतिम व्यक्ति को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य सुरक्षा, वित्तीय समावेशन, पोषण, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण आदि क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश की कोशिशें प्रेरणा देने वाली हैं।

प्लास्टिक सर्जरी अब सिर्फ अमीरों का शगल नहीं...

मुंबई के सरकारी अस्पतालों में Surgery की संख्या में बढ़ोतरी

मुंबई : सुंदर दिखना किसे अच्छा नहीं लगता है. खुद को बेहतर दिखाने के लिए हम तमाम तरह के काम करते हैं. इसी तरह कोई भी बूढ़ा नहीं दिखना चाहता है. ऐसे में अगर चेहरे पर एक भी झुर्री नजर आ जाती है तो वह हमारी चिंताओं की लकीरों को दोगुना कर देती है. लेकिन एक वक्त ऐसा था जब सुंदर दिखने की चाहत के लिए या झुर्रियों को मिटाने की हसरत सिर्फ संपन्न वर्ग तक ही सीमित थी. क्योंकि प्लास्टिक सर्जरी या शरीर को बेहतर दिखाने वाले इंप्लांट निजी अस्पतालों तक ही सीमित थे. और इनकी कीमत इतनी ज्यादा होती थी कि आम आदमी सिर्फ मन मसोस कर ही रह जाता था. लेकिन अब ऐसा नहीं रहा है. मुंबई के सरकारी अस्पतालों में बीते कुछ सालों में प्लास्टिक सर्जरी या शरीर को सुंदर और सुडौल दिखाने की चाहत रखने वाले निम्न मध्यमवर्गीय लोगों की आमद में काफी इजाफा

हुआ है क्योंकि यह अस्पताल उनकी हसरतों को बेहद ही कम कीमत में पूरा कर रहे हैं. किसी हादसे के बाद कॉस्मेटिक सर्जरी के लिए लोग सरकारी अस्पतालों का रुख तो करते आए हैं. लेकिन पिछले कुछ सालों में मुंबई के सरकारी अस्पतालों में लोग ऐसी सर्जरी के लिए भी आ रहे हैं जो सिर्फ सुंदरता के उद्देश्य से की जा रही हैं. फिर वो नोज जॉब हो, हेयर ट्रांसप्लांट हो या चर्बी घटाने के लिए हुआ लिपोसक्शन. गुप्तांगों से जुड़ी सर्जरी के लिए भी सरकारी अस्पताल को बेहतर विकल्प माना जा रहा है क्योंकि वो जेब पर भारी नहीं पड़ती.

साढ़े नौ सौ रुपये में होता है फेसलिफ्ट

बेहतर दिखने के मकसद से की जाने वाली ये सर्जरी जहां साधन संपन्न लोगों का शगल मानी जाती थी, वहीं सरकारी अस्पताल जिस कीमत पर इसे करते हैं वो निजी अस्पतालों के दाम से बहुत कम है. जहां फेसलिफ्ट की कीमत निजी अस्पताल में एक लाख रुपये है, वहीं मुंबई के जेजे जैसे सरकारी अस्पताल में ये काम साढ़े नौ सौ रुपये में हो सकता है. बेड की कीमत जहां निजी अस्पताल में पंद्रह सौ रुपये प्रति दिन होती है, वहीं सरकारी में ये कीमत तीस रुपये प्रति दिन है.

सरकारी अस्पताल में खर्च नाममात्र का

इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट बताती है कि जेजे अस्पताल ने 2016-2021 के बीच इस तरह के 127 लिपोसक्शन, 23 हेयर ट्रांसप्लांट, 139 राइनोप्लास्टी की हैं. ऐसे ही आंकड़े बीएमसी द्वारा संचालित केईएम, नायर अस्पतालों के भी हैं जहां 2016 से 2021 के बीच इस तरह की सर्जरी बढ़ती दिखाई दी हैं. डॉक्टरों की मानें तो उनके पास ऐसे पुरुष भी आते हैं जो सुडौल शरीर के लिए चेस्ट इम्प्लांट के लिए आते हैं. बताया जाता है कि इन अस्पतालों में लोगों के आने की वजह इन सर्जरी का सौ गुना सस्ता होना है. जिससे सर्जरी करवाने वालों को लाखों की बचत होती है. इन अस्पतालों का रुख करने की वजह ये भी है कि इस तरह की कॉस्मेटिक सर्जरी किसी तरह के मेडिकल इंश्योरेंस में कवर नहीं होती. इसलिए लोग सरकारी अस्पतालों के नामी सर्जन के पास आते हैं.

पति की हत्या हुई, पत्नी के प्रेमी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए किडनैपिंग की झूठी कहानी बना दी!

मुंबई : मुंबई के सांताक्रुज इलाके के एक कपड़ा व्यापारी की हत्या मामले में तीन दिन पहले ही पुलिस ने पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया था. अब इसे लेकर पुलिस ने एक नई जानकारी दी है कि पत्नी के प्रेमी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए किडनैपिंग की झूठी कहानी रची थी. इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक कविता शाह और उसके प्रेमी हितेश जैन ने कथित तौर पर पति कमलकांत (46 साल) के खाने में आर्सेनिक और थैलियम रसायन मिला दिया था, जिसके कारण उनकी मौत हो गई. पुलिस ने बताया कि जैन को डर लग रहा था कि वो मामले में गिरफ्तार हो जाएगा, इसलिए उसने किडनैप होने की झूठी कहानी गढ़ी थी. पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने दावा किया कि उसे किडनैप करके प्रताड़ित किया गया था और फिर अज्ञात व्यक्तियों द्वारा शाहपुर में नासिक रोड पर फेंक दिया गया था.

मालूम हो कि 19 सितंबर को कमलकांत का निधन हुआ था. उनके शरीर के कई अंग खराब हो गए थे. शुरू में उन्होंने पेट दर्द की शिकायत की थी. लेकिन इलाज के दौरान ये पता चला कि उनके खून में 'आर्सेनिक और थैलियम' की मात्रा बहुत अधिक थी. कमलकांत की मौत के बाद परिवार को शक होने लगा. क्योंकि इन्हीं कारणों से 13 अगस्त को उनकी मां सरलादेवी का भी निधन हुआ था.

पार्ट टाइम जॉब के नाम पर ठगी करने वाले गैंग का भंडाफोड़ !

रिटायर्ड बुजुर्गों को बनाते थे ऐसे शिकार

मुंबई : मुंबई पुलिस की साइबर क्राइम ब्रांच ने ऑनलाइन पार्ट टाइम जॉब दिलाने वाले गैंग का भंडाफोड़ किया है. ये गैंग टेलीग्राम, व्हाट्सएप और सिग्नल जैसे सोशल मीडिया एप के जरिये पार्ट टाइम जॉब देने के ऑफर वाले मैसेज भेजा करता था और जो लोग इनके झांसे में आ जाते था वो ठगी का शिकार हो जाता था. मुंबई साइबर क्राइम ब्रांच के डीसीपी बालसिंह राजपूत के मुताबिक ये गैंग बड़ी-बड़ी कंपनियों जैसे अमेजॉन, फ्लिपकार्ट जैसी कंपनियों में पार्ट टाइम जॉब दिलाने के नाम पर ठगी करते थे. इसमें पहले वह लिंक भेजते थे उसके बाद एक एप डाउनलोड करने के लिए कहा जाता था और फिर प्रोडक्ट को खरीदने के लिए बोला जाता था.

कैसे होती थी ठगी?

इसमें कहा जाता था कि अगर इसमें आप खरीदारी करते हैं तो उसके बदले आपके पॉइंट बनते हैं और आपको बोनस के तौर पर इतनी रकम मिलेगी. शुरू में पहले लोगों को इसमें पैसे मिलते थे, फिर जब वह दूसरा टॉस्क बताते थे तो लोग उसमें फंसते चले जाते थे ऐसा करके वह लोगों के साथ ठगी किया करते थे.

रिटायर्ड बुजुर्ग के साथ ठगी

मुंबई साइबर सेल को एक शिकायत मिली थी कि एक रिटायर्ड बुजुर्ग के साथ करीब 35 लाख रुपए की ठगी हुई है. पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू की और इस गैंग का भंडाफोड़ किया गया. पुलिस के मुताबिक इनके चंगुल में ऐसे लोग फंस जाते हैं जो ऑनलाइन पार्ट टाइम जॉब ढूंढ रहे होते हैं. इन लोगों में बहुत सारे रिटायर्ड, नौजवान लोग भी शिकार हो जाते हैं. इस केस में अब तक 18 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है.

फेक सिम कार्ड बनाते थे ये लोग

यह गैंग फेक सिम कार्ड और फेक बैंक अकाउंट बनाता था. इस गैंग में एक ताईवानी शख्स को भी गिरफ्तार किया गया है. पुलिस अब इस बात का पता लगा रही है कि क्या इस गैंग का कनेक्शन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर है, और क्या इस ठगी से जो पैसे इकट्ठे होते थे उसका इस्तेमाल कहां पर किया जाता था, इसकी जांच की जा रही है. मुंबई पुलिस ने जब इस गैंग का भंडाफोड़ किया तो उसको इस गैंग के पास से करीब 18 बैंकों के 150 से ज्यादा बैंक अकाउंट मिले हैं. जिसका इस्तेमाल ठगी के लिए किया जा रहा है. पुलिस कर्मियों को डेढ़ सौ से ज्यादा दूसरों के नाम पर मोबाइल सिम कार्ड भी मिले हैं.

संसद की कार्यवाही...!

केवल विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश होना ही पर्याप्त नहीं

मुंबई : संसद के शीतकालीन सत्र में हंगामा होने के आसार दिखना कोई नई-अनोखी बात नहीं। अब संसद के प्रत्येक सत्र के पहले ऐसे ही समाचार आते हैं कि सदन में हंगामा देखने को मिल सकता है। कई बार संसद में हंगामा ही अधिक होता है और काम कम। यह सिलसिला तब तक कायम रहेगा, जब तक सत्तापक्ष और विपक्ष यह नहीं समझते कि संसद सार्थक संवाद का मंच है, न कि हल्ला एवं हंगामा करने का अथवा टीवी कैमरों के सामने नारे लिखी तख्तियां लहराने का। संसद में राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श होना चाहिए, ताकि देश को कोई दिशा मिल सके, लेकिन इसके स्थान पर आरोप-प्रत्यारोप अधिक होता है। कई बार तो इसे लेकर गतिरोध कायम हो जाता है कि पहले किस विषय पर बहस हो और किन नियमों के तहत? कहना कठिन है कि संसद के मानसून सत्र में क्या होगा, लेकिन अच्छा यह होगा कि राजनीतिक

दल उन देशों की संसद में होने वाली कार्यवाही को अपना आदर्श बनाएं, जहां प्रत्येक विषय पर धीर-गंभीर बहस होती है। आखिर अपने देश में अमेरिका और ब्रिटेन की संसद की तरह से बहस क्यों नहीं हो सकती? यदि संसद में होने वाली बहस का स्तर ऊंचा उठ सके तो देश सबसे बड़े लोकतंत्र के साथ-साथ श्रेष्ठ लोकतंत्र की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ सकता है।

राजनीतिक दलों को इसका आभास होना चाहिए कि भारत का विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश होना ही पर्याप्त नहीं। उन्हें इससे भी अवगत होना चाहिए कि संसद में होने वाली बहस के गिरते स्तर के चलते उसकी गरिमा में गिरावट आ रही है और आम जनता संसदीय कार्यवाही को लेकर उत्साहित नहीं होती। संसद में प्रायः विपक्ष को यह शिकायत होती है कि उसे अपनी बात कहने का अवसर नहीं मिलता। इस शिकायत को दूर करने के लिए संसद का कुछ समय इसके लिए आरक्षित कर देना चाहिए, जिसमें विपक्षी दल जिस भी विषय पर चाहें, अपनी बात रख सकें।

इस पर हर्ज नहीं कि सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने यह संकेत दिया कि संसद के मौजूदा सत्र में महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण जैसे विषय उसकी प्राथमिकता में होंगे।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : गुरुवार, 08 दिसंबर 2022

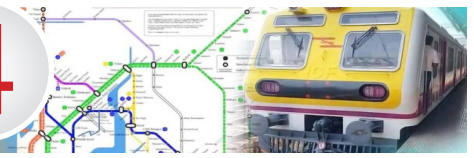

रिश्वत लेते BMC का डिप्टी इंजीनियर गिरफ्तार

मुंबई : भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने एक लाख रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ बीएमसी के डिप्टी इंजीनियर भूषण लक्ष्मण भुसाणे (45) को गिरफ्तार किया है। वह एक सामाजिक संस्था से उसके शौचालय की मरम्मत के लिए 4 लाख रुपए रिश्वत की मांग कर रहा था। भुलेश्वर की सामाजिक संस्था कुंभडिया सेवा संघ को बीएमसी ने उसके शौचालय के लाइसेंस रद्द करने की नोटिस दिया था। उसको लेकर संस्था के पदाधिकारी ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। अदालत ने संस्था के पक्ष में फैसला सुनाया। संस्था के पदाधिकारी ने क्रॉफर्ड मार्केट स्थित बीएमसी के कार्यालय में शौचालय के लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए अप्लाई किया।

1 लाख रिश्वत लेते हुआ ट्रैप

संस्था के पदाधिकारी ने पैसे देने के बजाय भुसाणे के खिलाफ एसीबी में शिकायत कर दी। एसीबी ने सोमवार को ट्रैप लगा कर रिश्वत की पहली किस्त 1 लाख रुपए लेते हुए भुसाणे को गिरफ्तार किया। एसीबी ने उसके घर पर छापेमारी कर छानबीन की। उसके बैंक खातों को भी खंगाला जा रहा है।

4 लाख रिश्वत की मांग...!

बीएमसी के सहायक आयुक्त के कार्यालय में कार्यरत डिप्टी इंजीनियर भूषण लक्ष्मण भुसाणे ने संस्था से लाइसेंस के नवीनीकरण और वर्क आर्डर देने के लिए 4 लाख रुपए की मांग की। बाद में 3 लाख रुपए देने तय हुआ।

"चार दिन में गायब हुई ढाई लाख की दुल्हन!

जलगांव : कर्नाटक के ठग महाराष्ट्र से सीधे पुरुषों की जासूसी करने और उन्हें शादी के लिए लड़कियां मुहैया कराने का काला धंधा चला रहे हैं। जलगांव में एक व्यापारी से ढाई लाख रुपए लेकर फर्जी शादी करने का मामला सामने आया है। रुपयों के लेन-देन के बाद नवविवाहिता भाई से मिलने के बहाने मुंबई ले गई। मुंबई पहुंचने के बाद उसने जलगांव के युवक जो उसका फर्जी विवाह के माध्यम से पति बना था, उसे धमकाया

और वहां से भाग गई। माटुंगा पुलिस स्टेशन में चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। कंचन नगर क्षेत्र के एक फरसाण व्यवसायी शैलेंद्र सारस्वत (46) का 2007 में तलाक हो गया था, उन्हें बताया गया कि बेलगांव, कर्नाटक की बेटी से उसकी शादी हो सकती है। जनवरी 2022 में उसने सारस्वत के मोबाइल फोन पर कुछ लड़कियों के फोटो भेजे। 21 अप्रैल 2022 को उसने सोनी से बात की, क्योंकि उसे उसमें अपर्णा नाम की लड़की की फोटो पसंद आई थी। शादी के आयोजन के लिए 2 लाख, 61 हजार, रुपए खर्च करने का निर्णय लिया गया। शैलेंद्र सारस्वत ने 23 अप्रैल को सोनी की बेटी के बैंक खाते में एडवांस के तौर पर 20 हजार रुपए ट्रांसफर किए। ऑनलाइन पैसे ट्रांसफर करने के बाद शैलेंद्र सारस्वत अपनी मां मैनाबाई, चचेरे भाई राजेंद्र पृथ्वीराज सारस्वत, श्याम ओझा के साथ शास्त्री नगर, बेलगांव (कर्नाटक) में निजी वाहन से 25 अप्रैल को सोनी के घर पहुंचे। वहां शैलेंद्र ने लड़की को देखा और उसे पसंद कर लिया। इस बार उसने अपना नाम अपर्णा नाइक (33) बताया, फिर उसी दिन शाम को दोनों ने शादी कर ली।

शादी में खर्च किए गए 2,61,000 रुपए...

शादी से पहले ससुर ने समय-समय पर सोनी की बेटी के खाते में पैसा जमा किए थे और शादी के दिन उसे 7,500 रुपए नकद दिए, कुल मिलाकर 2,61,000 रुपए इस शादी में खर्च किए गए। शादी के महज चार दिन बाद 30 अप्रैल को उसने नालासोपारा में रहने वाले अपने भाई प्रशांत से मिलने की जिद की। सारस्वत पत्नी 2 के साथ दादर पहुंचे। जब शैलेंद्र दादर रेलवे स्टेशन पर टिकट खरीद रहे थे, तब अपर्णा ने भागने की कोशिश की। शैलेंद्र ने उसे रोका तो विवाहिता ने मेरे पीछे मत आओ, ऐसा कहकर शैलेंद्र को जूता मारने की धमकी देकर बहस की और वहां से चली गई।

पुलिस ने 4 लोगों पर किया केस दर्ज...!

धोखाधड़ी का मामला दर्ज

इस संबंध में माटुंगा पुलिस स्टेशन में सारस्वत ने गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई, उन्होंने इस घटना की जानकारी विवाहिता के कुछ रिश्तेदारों को दी। उन्होंने भी इस मसले पर गोलमोल जवाब दिया। मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक रमेश चव्हाण कर रहे हैं।

हमाल बनकर दिव्यांग महिला का बैग चोरी करने के आरोप में 2 शातिर चोर गिरफ्तार

कल्याण : हमाल बनकर दिव्यांग महिला का बैग चुराने वाले 2 शातिर चोरों को रेलवे पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है। दोनों शातिर चोरों की यह गिरफ्तारी सीसीटीवी के माध्यम से आरपीएफ की सीपीडीएस टीम ने भुसावल आरपीएफ की मदद से महज कुछ घन्टों के अंदर कर ली गई और गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई के लिए कल्याण जीआरपी के हवाले कर दिया गाय है। कल्याण सीपीडीएस टीम के सहायक उप निरीक्षक प्रसाद चौगुले ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी विजय कुमार बनारसीलाल निषाद और रामटहल खदेरू गौतम नामक दोनों लोग हमाल बनकर कल्याण स्टेशन से पूनम अशोक भारद्वाज नामक दिव्यांग महिला का बैग चुराकर फरार हुए थे। शिकायत दर्ज होने के बाद आरोपियों की तलाश में कल्याण लोहमार्ग पुलिस और आरपीएफ की सीपीडीएस (डी) टीम लगी हुई थी और कल्याण स्टेशन पर सीसीटीवी खंगाला गया। सीपीडीएस की टीम ने जब बारीकी से जांच की तो पता चला कि दो लोग बैग लेकर 12167 वाराणसी एक्सप्रेस के जनरल बोगी में सवार हुए हैं। ट्रेन की रनिंग परिस्थिति चेक की गई तो उक्त ट्रेन चालीसगांव स्टेशन पार कर चुकी थी।

कल्याण लोहमार्ग पुलिस आगे की जांच में जुटी

सीपीडीएस टीम के सउनि प्रसाद चौगुले ने फौरन भुसावल कंट्रोल रूम से संपर्क किया और सीयूजी नंबर 9503011777 पर सारी जानकारी भेजकर ट्रेन सर्च करने के लिए कहा। भुसावल आरपीएफ के ऑन ड्यूटी इंचार्ज सउनि दीपक कलवे ने अपने सहयोगियों के साथ 12167 वाराणसी एक्सप्रेस के जनरल बोगी को सर्च कर आरोपी विजय कुमार बनारसीलाल निषाद और रामटहल खदेरू गौतम को गिरफ्तार कर लिया। सीपीडीएस की टीम ने दिव्यांग महिला की चुराई गई नकदी और आभूषण सहित 1 लाख 46 हजार कीमत का सामान भी बरामद कर लिया है।

"प्रॉपर्टी टैक्स वसूलने अब नहीं काटे जाएंगे नल कनेक्शन!

मानवाधिकार आयोग को दिए शपथ-पत्र में MBMC ने मानी गलती

भायंदर : बकाया हाउस टैक्स वसूलने के लिए पेयजल कटौती और नल कनेक्शन खंडित नहीं करने का शपथ-पत्र मीरा-भायंदर महानगरपालिका ने राज्य मानवाधिकार आयोग को दिया है। महानगरपालिका की मनमानी कार्रवाई के खिलाफ जागरूक नागरिक तुषार दहेरकर ने आयोग के पास शिकायत की थी। उल्लेखनीय है कि हाउस टैक्स बकायेदारों से वसूली के लिए महानगरपालिका पानी कटौती या नल कनेक्शन खंडित कर उन पर दबाव बनाती थी। इतना ही नहीं बकायेदारों के घर-बिल्डिंग के नीचे बैंड बजवाया जाता है। जिससे करदाता की सामाजिक बदनामी होती है और वह इज्जत बचाने के लिए

तत्काल बकाया रकम भरने को राजी हो जाता है।

शपथ-पत्र में महानगरपालिका ने अपनी गलती मानी

मीरा-भायंदर महानगरपालिका ने श्रीकृष्ण गार्डन बिल्डिंग के छह में से दो नल कनेक्शन काट दिए थे। बिल्डिंग के निवासी तुषार दहेरकर ने इसे गैरकानूनी कार्रवाई बताया था। और इसके खिलाफ मानवाधिकार आयोग के पास शिकायत की थी। तुषार ने बताया कि मानवाधिकार आयोग को दिए शपथ-पत्र में मीरा-भायंदर महानगरपालिका ने अपनी गलती मानी है और आगे से उसे नहीं दोहराने की बात कही है। सहायक आयुक्त (कर) सुदाम गोडसे ने आयोग को बताया है कि उन्होंने सभी प्रभाग के कर अधिकारियों को बकाया प्रॉपर्टी टैक्स वसूलने के दौरान पानी कटौती या नल कनेक्शन नहीं काटने का आदेश दे दिया है। साथ ही प्रॉपर्टी टैक्स बिल में छापा जाने वाला टैक्स नहीं भरने पर नल कनेक्शन काटने का मजमून भी हटा दिया है।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com